व्याकरण ज्ञान 6

1. भाषा और व्याकरण

भाषा विचारों की अभिव्यक्ति तथा भावों के आदान-प्रदान का साधन होती है। व्यक्ति अपनी बात भिन्न-भिन्न माध्यमों से दूसरों तक पहुँचाता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्र भाषा से भली-भाँति परिचित हो चुके हैं। आप भिन्न-भिन्न उदाहरणों द्वारा भाषा को और स्पष्टता से समझाएँ।
- छात्रों से जानें कि वे भाषा को किस प्रकार पारिभाषित करते हैं। प्रत्येक छात्र का भाषा को पारिभाषित करने का तरीका अलग हो सकता है। उनकी अभिव्यक्ति को सुनें।
- भाषा के रूपों के बारे में बताते हुए छात्रों से मौखिक तथा लिखित भाषा रूप के उदाहरण बताने को कहें।
- समझाएँ, मौखिक भाषा को लिखित रूप देने के लिए कुछ चिह्न बनाए गए हैं, जिन्हें लिपि कहते हैं।
- लिपि समझाने के लिए ब्लैकबोर्ड पर हिंदी में कोई वाक्य लिखें फिर वही वाक्य अंग्रेज़ी में भी लिखें। यदि कक्षा में कोई छात्र-छात्रा पंजाबी, मुस्लिम या बंगाली हो तो उनसे वह वाक्य उनकी भाषा की लिपि गुरुमुखी, फ़ारसी या बांग्ला में लिखवाएँ। इस प्रकार से छात्र आसानी से लिपि समझ पाएँगे।
- छात्रों को भारत में बोली जाने वाली विभिन्न बोलियों के बारे में बताएँ।
- छात्रों को संविधान की 22 भाषाओं से अवगत कराएँ। बताएँ, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इसलिए प्रतिवर्ष इसी दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है।
- व्याकरण क्या होता है तथा इसकी आवश्यकता के बारे में छात्रों से पूछें तथा फिर उन्हें समझाएँ।
- सुनिश्चित करें कि छात्र पाठ में ध्यान दे रहे हैं।